आर.एन.आई. पंजीयन क्र. 39596/82 (डाक पंजीयन MP/IDC/1462/2016-2019)

साप्ताहिक

मालव आँचल

वर्ष 47 अंक 06 (प्रति रविवार) इंदौर, 29 अक्टूबर से 04 नवंबर 2023 पृष्ठ-8 मूल्य 3 रुपये

अगर सुनहरा दौर है तो आपके घर तक क्यों नहीं पहुंचा-प्रियंका गांधी

भोपाल/ दमोह। अभा कांग्रेस की महासचिव श्रीमती प्रियंका गांधी ने आज दमोह में आयोजित कांग्रेस की विशाल जनसभा में अपने संबोधन की शुरूआत करते हुये कहा कि भाइयो-बहनो मुझे पता है आप बहुत समय से हमारा इंतजार कर रहे हैं और इसके लिए मैं आपकी बहुत-बहुत आभारी हूं। भगवान जागेश्वर नाथ जी की जय, आज वाल्मीकि जी की जयंती है, मैं उन्हें प्रणाम करती हूं। बुंदेलखंड की धरती रानी दुर्गावती की धरती है बुंदेलखंड के वीरों ने 1857 से लेकर आजादी की लड़ाई तक बलिदान दिए उन्हें नमन करती हूं।

प्रियंका गांधी ने कहा कि आज सरकार बता रही है कि देश का सुनहरा दौर आ गया है लेकिन मैं आपसे जानना चाहती हूं कि यह सुनहरा दौर आपकी चौखट तक क्यों नहीं पहुंचा, आपके जीवन में क्यों नहीं पहुंचा है? आप तो गरीब के गरीब हैं आप अपने जीवन के संघर्षों में जूझ रहे हैं आपके घरों में और दमोह में आज भी पानी की किल्लत है। आज लोग बुंदेलखंड से पलायन क्यों कर रहे हैं? भाजपा ने 18 साल महिलाओं को बेवकूफ बनाया और चुनाव से दो महीने पहले स्कीम लेकर आ गये लेकिन उनकी झूठ की गारंटी अब नहीं चलने वाली हैं। क्योकि अब मप्र में कांग्रेस की सरकार बनने वाली है और हमारी गारंटी पर इसलिए भरोसा कीजिए, क्योंकि कमलनाथ जी ने 15 महीने में गारंटियां पूरी करके दिखायी, कांग्रेस सरकारों ने हिमाचल, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में पुरानी पेंशन लागू की, कांग्रेस की सरकार बनने पर मप्र में भी होगी, कांग्रेस सरकार गेहूं का 2600 रू और धान का 2500 रू. समर्थन मूल्य देगी।

प्रियंका गांधी ने कहा कि कमलनाथ जी ने आपको बताया है कि केंद्र में जब कांग्रेस की सरकार थी तो हमने बुंदेलखंड पैकेज देने का काम किया था, लेकिन आज मैं यहां मध्य प्रदेश के चुनाव को लेकर आपके बीच में आई हुई हूं। आज नेताओं के आरोप-प्रत्यारोप के बीच आपको निर्णय लेना है कि आप किसका समर्थन करेंगे। मैं यहां बातें करने आई हूं ना की भाषण देने। एक जमाना था जब हमारे देश में बड़े-बड़े महापुरुष आजादी की लड़ाई लड़ रहे थे, हमारी उनसे बहुत उम्मीदें थी आज आपकी भी उम्मीदें होनी चाहिए किसी दल से, किसी नेता से।

प्रियंका गांधी ने कहा कि जब मैं आम जनता से मिलती हूं और उनसे पूछती हूं कि आपकी क्या उम्मीद है सरकार से, तो वह बताते हैं कि हमारे संघर्ष भरे जीवन में हम चाहते हैं कि बस थोड़ा सी मदद मिल जाए सरकार की ओर से, हमें रोजगार मिल जाए, हमें महंगाई से राहत मिल जाए, हमें सुरक्षा मिल जाए, बस इतनी सी उम्मीद जनता की रहती है। मुझे भी पता है कि आप लोग रात दिन मेहनत करते हैं। अपने बच्चों को पढ़ाते हैं और मुझे यह भी पता है कि बुंदेलखंड से पलायन बहुत होता है। आप जो यह मेहनत करते हैं आप भी चाहते होंगे कि आपका भविष्य मजबूत हो, सुरक्षित हो और आप भी चाहते हैं कि सरकार आपके जीवन में भागीदारी निभाएं और मदद करें।

प्रियंका गांधी ने कहा कि पलायन तभी होता है जब क्षेत्र में रोजगार की संभावनाएं नहीं होती है और आपने क्या कभी सोचा है कि 45 साल में सबसे ज्यादा बेरोजगारी आज देश और इस प्रदेश में है। मध्य प्रदेश की 18 साल की सरकार ने पिछले 3 सालों में मात्र 21 नौकरियां दी है। मध्य प्रदेश में कितनी सरकारी नौकरियां खाली हैं, कितने पद खाली पड़े हैं। स्वास्थ्य विभाग में डॉक्टर के पद खाली हैं। लेकिन फिर भी सरकार इन पदों पर भर्ती करने का काम नहीं कर रही है। आज मध्य प्रदेश में युवाओं ने भर्ती के लिए फार्म भरे हैं, परीक्षा पास की, लेकिन फिर भी उनके हाथ में रोजगार नहीं है।

प्रियंका गांधी ने कहा कि बड़े-बड़े पीएसयू और सरकारी योजनाओं और विभागों से भारी मात्रा में रोजगार बनते थे, लेकिन ये सरकार अपने मित्रों को सभी पीएसयू बेचने का काम कर रही है। छोटे दुकानदारों, छोटे व्यापारों से रोजगार बनते थे, लेकिन सरकार ने उन सभी की कमर तोड़ रखी है। उन्होंने कहा कि कोरोना के समय और उसके बाद भी अन्य देशों की सरकारों ने नागरिकों की आर्थिक मदद की, व्यापारियों और छोटे व्यापारियों की भी मदद की। लेकिन भारत में ऐसा कुछ भी देखने को नहीं मिला।

प्रियंका गांधी ने कहा कि आज बड़े-बड़े उद्योगपतियों को देश की संपत्ति बेचने का काम यह सरकार कर रही है, किसानों की कमर तोड़ने का काम कर रही है। डीजल, पेट्रोल, खाद, बिजली, पानी सब कुछ इन्होंने महंगा कर रखा है। किसानों को किसी भी तरीके की राहत देने का काम यह सरकार नहीं करना चाहती है और इस तरह से लगातार महंगाई एकतरफा बढ़ती जा रही है, रोजगार के माध्यम बंद होते जा रहे हैं।

मोदी के तंज पर शरद पवार बोले

एमएसपी मेरे कार्यकाल में ही बढ़ी

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी सुप्रीमो शरद पवार ने शनिवार को कहा कि पीएम को अपने संवैधानिक कद को ध्यान में रखकर बयान देना चाहिए। शरद ने यह बात प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस तंज के बाद मीडिया से कही, जिसमें उन्हें शरद के बतौर कृषि मंत्री, किसानों के लिए किए गए कामों को लेकर सवाल उठाए थे। दरअसल पिछले दिनों शिर्डी गए पीएम मोदी ने कहा था कि महाराष्ट्र के नेता जो देश के कृषि मंत्री भी थे, उन्होंने किसानों के लिए क्या किया? वे किसानों की वकालत के बहाने राजनीतिक चालबाजी में लगे थे। जब वे कृषि मंत्री थे, तब किसान बिचौलियों की दया पर निर्भर थे।शरद पवार ने यह भी दावा किया कि आने वाले विधानसभा और लोकसभा चुनाव के बाद सत्ता खोने के डर ने पीएम को ऐसा कमेंट करने के लिए प्रेरित किया होगा। गौरतलब है कि साल 2004 से लेकर 2014 तक, जब केंद्र में कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार थी। तब एनसीसी प्रमुख शरद पवार कृषि मंत्री थे।

पीएम को सही जानकारी नहीं दी गई

पवार ने कहा की मुझे नहीं पता कि उन्होंने मुझे क्यों निशाना बनाया। लेकिन मुझे लगता है कि उन्होंने जो भी कहा, वो इसलिए क्योंकि उन्हें सही तरीके से जानकारी नहीं दी गई थी। उन्होंने जो भी बयान दिया है, मैं उनके पद के महत्व और गरिमा को ध्यान में रखते हुए उस पर जवाब दूंगा। वे साईं बाबा के दर्शन करने गए थे, वहां शरद पवार के दर्शन करने की क्या जरूरत थी। देश में कई राज्य हैं जहां भाजपा की सत्ता नहीं। कुछ में वे तोडफ़ोड़ के बाद सत्ता में आए। और जहां हैं भी, तो कमजोर स्थिति में हैं। सत्ता खोने के डर ने ही उन्हें ऐसे बयान देने के लिए मजबूर किया। उन्होंने कहा कि मेरे कार्यकाल के दौरान ही न्यूनतम समर्थन मूल्य न केवल तेजी से बढ़ा, बल्कि उन्होंने कुछ महत्वपूर्ण मिशन भी लॉन्च किए, जिसके कारण फसल उत्पादन में वृद्धि हुई। जब मैंने कृषि मंत्री बना, तब देश में खाद्यान्न की कमी थी। 2004 में चावल का एमएसपी 550 रुपए था, जो 2014 में 1310 रुपए हो गया। सोयाबीन जैसी फसलों के

गैंगस्टर केस में माफिया डॉन मुख्तार अंसारी को 10 साल की सजा

5 लाख का जुर्माना भी लगा

गाजीपुर। माफिया डॉन मुख्तार अंसारी को गैंगस्टर मामले में एमपी-एमएलए कोर्ट ने 10 साल की सजा सुनाई है। साथ ही उस पर 5 लाख का जुर्माना भी लगाया है। वहीं, मुख्तार के सहयोगी सोनू यादव को 5 साल की सजा मिली है। सोनू पर भी कोर्ट ने 2 लाख का जुर्माना ठोका है। हालांकि, मुख्तार के वकील लियाकत का कहना है कि ये केस मेंटेनेबल नहीं है, हम हाईकोर्ट में अपील करेंगे और उम्मीद है कि हमें वहां से मिलेगा न्याय। बता दें की एमपी-एमएलए कोर्ट के जज अरविंद मिश्र की अदालत ने गैंगस्टर मामले में अंसारी को कल ही दोषी करार दिया था। आज अदालत ने सजा का ऐलान किया है। सजा को लेकर मुख्तार ने मायूसी से कहा कि हुजूर (जज) इस मामले से मेरा कोई सरोकार नहीं है, मैं तो 2005 से जेल में बंद हूं।

गैंगस्टर एक्ट के तीसरे मुकदमे में भी मिली सजा-मालूम हो कि गाजीपुर कोर्ट से गैंगस्टर एक्ट के तीसरे मुकदमे में मुख्तार अंसारी को लगातार सजा सुनाई गई है। इससे पहले गाजीपुर के एमपी एमएलए कोर्ट ने अवधेश राय हत्याकांड के बाद दर्ज हुए गैंगस्टर एक्ट के केस में और कृष्णानंद राय हत्याकांड के बाद दर्ज हुए गैंगस्टर केस में भी सजा सुनाई थी।

संपादकीय

सरकार क्यों नहीं भेज रही यूएन में प्रतिनिधि मंडल

भारत सरकार, 2015 के बाद से संयुक्त राष्ट्र संघ में सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल नहीं भेज रही है। संयुक्त राष्ट्र संघ में सभी देशों के प्रतिनिधि प्रति वर्ष भाग लेते हैं। इसमें लैंगिक समानता, शिशु मृत्यु दर, जलवायु परिवर्तन, गरीबी इत्यादि के संबंध में वह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चर्चा करते हैं। किस तरह से इन विषयों पर सफलता पाई जा सकती है,चर्चा करते थे। मंच से अपने विचार रखने का मौका हर देश को मिलता है। हर साल संयुक्त राष्ट्र संघ में सितंबर से लेकर दिसंबर के बीच में सारी दुनिया के देशों के संसदीय प्रतिनिधि यहां पर पहुंचते हैं। विभिन्न देशों की सरकार, अपने प्रतिनिधियों को यूएन भेजती है। वहां जाकर अपने देश का पक्ष रखते हैं। साथ ही अन्य देशों से आए हुए लोगों का पक्ष भी जानने का मौका मिलता है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर समस्या के समाधान के लिए क्या प्रयास हो रहे हैं, इसकी जानकारी भी वहां जाने पर मिलती है। सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल भेजने की शुरुआत जवाहरलाल नेहरू के समय से हो गई थी। इस प्रतिनिधि मंडल में सभी दलों के सांसदों को भेजा जाता था। जो संयुक्त राष्ट्र संघ में जाकर अपने देश का पक्ष बखूबी रखते थे। 2015 के बाद से एक भी प्रतिनिधिमंडल संयुक्त राष्ट्र संघ में नहीं भेजा गया। लोकतांत्रिक प्रक्रिया में संसदीय प्रतिनिधि मंडल की विशेष भूमिका होती है। जब सर्वदलीय प्रतिनिधि मंडल यूएन की बैठक में भाग लेने जाता था, तो सभी दलों के प्रतिनिधियों के बीच में भी आपसी सहमति और भारत का पक्ष किस तरह से रखा जाए। जो राष्ट्र के गौरव बढ़ाये, इस संबंध में सभी चर्चा करते थे। सभी दलों के सांसदों के बीच में एक सहभागिता तथा स्वस्थ लोकतंत्र के आदर्शों के प्रति विश्वास जागृत होता था। 2015 के बाद से जब कोई भी प्रतिनिधिमंडल यूएन के दौरे पर नहीं गया है। सांसदों को अंतर राष्ट्रीय स्तर पर होने वाले बदलाव, भारत के बारे में दुनिया के अन्य देशों की क्या सोच है। भारत अपने बारे में क्या कहना चाहता है, इसको लेकर यूएन के साथ बड़ा वैक्यूम बन गया है। भारत सरकार प्रतिनिधि मंडल में सरकार कई बार विपक्षी सांसद के नेतृत्व में प्रतिनिधि मंडल भेजती थी। जिसमें सारी दुनिया में यह संदेश जाता था, कि भारत में लोकतंत्र है। पिछले 8 वर्षों से कोई भी प्रतिनिधिमंडल यूएन नहीं गया। सांसदों को यहां पर जाकर अपने प्रतिभा दिखाने का मौका भी मिलता था। संसदीय कार्यकाल में यह उनके लिए बहुत बड़ी उपलब्धता होती थी। जिसमें वह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर क्या चल रहा है, यह सब जानने, समझने और भारत का पक्ष बताने का मौका मिलता था। वर्तमान सरकार ने प्रतिनिधि मंडल भेजना क्यों बंद किया है। इसका कोई कारण तो अभी तक नहीं बताया गया है। जैसा कि माना जाता है, सत्ता में विपक्ष की भागीदारी को वर्तमान सरकार स्वीकार नहीं करती है। यूएन जो प्रतिनिधिमंडल जाता था, वह पूरी तरीके से स्वतंत्र होता था। सभी सांसद अपने देश का पक्ष खुलकर रखते थे। यूएन के बड़े-बड़े समिति कक्ष में बैठकें होती हैं। संयुक्त राष्ट्र महासभा को भी संबोधित करने का मौका प्रतिनिधि मंडल को मिलता था। इससे देश का गौरव भी बढ़ता था। कई दशकों के इतिहास में कभी ऐसा कोई मौका नहीं आया,जब प्रतिनिधिमंडल संयुक्त राष्ट्र में गया हो और उसके कारण भारत की छवि को तथा सरकार को कोई परेशानी का सामना करना पड़ा हो। वर्तमान सरकार के सामने सत्ता पक्ष के सांसद अपना पक्ष ठोस तरीके से नहीं रख पाते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से संपर्क कर पाना भी बहुत आसान नहीं होता है। ऐसी स्थिति में सत्ता पक्ष के सांसद भी अपनी मांग नहीं रख पाते हैं। विपक्ष के सांसद प्रधानमंत्री तक पहुंच ही नहीं पा रहे हैं। जिसके कारण अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की दूरियां लगातार बढ़ती हुई दिख रही हैं।

भारत में भी तैयार है गाजापट्टी जैसा उन्माद फटने को

ललित गर्ग

समूची दुनिया मजहबी कट्टरता, अमानवीय अत्याचार एवं उन्मादी आतंकवाद के चलते विश्वयुद्ध के मुहाने पर खड़ी है। हमास के आतंकवादियों ने किस तरह की हैवानियत की थी, छोटे छोटे बच्चों एवं महिलाओं के साथ घर में घुसकर हिंसा, अनाचार किया, गोली मारी, जिंदा जला दिया। पकड़े गये सैनिकों को बारूद में लपेट कर जीवित जला देना, अपने ही हिमायती लोगों को अपने लिए मानव ढाल बनने के लिए मजबूर करना, उन्हें युद्ध क्षेत्र में रोकना, जिससे अधिक से अधिक लोगों की जान जा सके यह किसी युद्ध की स्थिति नहीं है, यह इस्लामी कट्टरवादी सोच है। यह सारी मानवता को चुनौती है, विश्वशांति को खतरा है, उसके लिए अस्तित्व रक्षा का प्रश्न है। अब सवाल ये है कि गाजा के आम लोगों का इसमें क्या कसूर? क्या हमास की दरिंदगी का बदला गाजा के आम लोगों के खून से चुकाया जाएगा? आखिर कब तक निर्दोष, मासूम एवं आमजन उन्माद एवं आतंक की भेंट चढ़ते रहेंगे? इस्लामी कट्टरता एवं उन्माद के काले दंश केवल गाजापट्टी में ही नहीं, भारत में भी कहर बरपाते रहे हैं, लम्बे समय से जम्मू-कश्मीर हो या, हाल ही में मणिपुर-मेवात में हुई हिंसा, उन्माद एवं वहशियाना हरकतें चिन्ता का सबब बनती रही है।

इस्लामी आतंकवाद खतरनाक है, मानवता पर कुठाराघात है। इस तरह के आतंक से दुनिया को डराना एवं भयभीत करना मुख्य लक्ष्य है। हमास के आतंकवादियों ने जब इजरायल के मासूम नागरिकों पर बेरहमी से हमला किया तो वो हथियारों के साथ-साथ कैमरों से भी लैस थे, अपनी वहशियाना हरकतों को कैमरे में कैद कर रहे थे। आज जब इसके सबूत सामने आए तो साफ हो गया कि इरादा सिर्फ मारकाट मचाना नहीं था, इरादा सिर्फ इजरायल को नुकसान पहुंचाने का भी नहीं था, इरादा तो ये था कि ये हैवानियत दुनिया को दिखाई जाए, दुनिया को इस्लाम एवं उसकी आतंकी सोच के सामने झूकने को विवश करना इरादा था, इरादा इजरायल के आत्मसम्मान पर चोट पहुंचाना भी था।

इजरायल दुनिया को हमास के जुल्मों की तस्वीरें दिखाकर पूछ रहा है कि इस पर दुनिया के इस्लामिक देश खामोश क्यों हैं? जो आज इजरायल से जंग रोकने के लिए कह रहे हैं उन्होंने हमास की अमानवीय कार्रवाई की निंदा क्यों नहीं की? अगर कैमरों पर सबूत न होते तो कुछ लोग शायद ये कह देते कि इजरायल की फौज और मोसाद ने खुद ही अपने लोगों को मरवाया ताकि उन्हें हमास पर हमला करने का बहाना मिल सके। लेकिन इस बात के पुख्ता सबूत हैं और दावे भी कि हमास के आतंकवादियों ने मासूम और बेकसूर लोगों के साथ वहशियाना तरीके से जुल्म किया, हत्या की और आज भी अगवा किए गए लोगों को इंसानी ढाल बनाकर अपने आप को बचाने की कोशिश कर रहा है। लेकिन फिलिस्तीन का समर्थन एवं मानवाधिकार की बातें करने वाले इन हरकतों को नजरअंदाज करने में लगे हैं। दुनिया के कई मुल्कों में प्रदर्शन हुए हैं, लोग इजरायल पर दबाव बनाना चाहते हैं ताकि वो गाजा पर किए जा रहे हमलों को रोके।

इजरायल के कड़े रुख को देखते हुए अब हमारे देश में भी फिलिस्तीन और हमास के समर्थन में मुस्लिम संगठनों और मुस्लिम नेताओं ने प्रदर्शन शुरू कर दिए हैं। ये वे ही लोग एवं संगठन हैं जो भारत में होने वाली आतंकवादी घटनाओं, उन्मादी सोच एवं हिंसा एवं पाकिस्तानी हरकतों का समर्थन करने से बाज नहीं आते। हमास के दहशतगर्दों ने महिलाओं के कपड़े उतारकर उन पर जुल्म करके, उनकी नुमाइश करते वक्त कैमरों के सामने अल्लाहु अकबर के नारे लगाए। गौर करने की बात ये भी है कि सऊदी अरब और यूनिइटेड अरब अमीरत के मुल्कों में कोई विरोध प्रदर्शन के लिए सड़कों पर नहीं उतरा लेकिन हमारे देश में ऐसे लोगों की कमी नहीं है जिनके बारे में कुछ लोग कह रहे हैं-बेगानी शादी में अब्दुल्ला दीवाना। असदुद्दीन ओवैसी खुलकर इजरायल का विरोध कर रहे हैं। इजरायल का समर्थन करने के भारत सरकार के फैसले को गलत बता रहे हैं।

पिछले दिनों मेवात में बरपी इस्लामिक कट्टरता में भी गाजापट्टी जैसे ही दृश्य देखने को मिले। जिहादियों ने हिन्दुओं पर हमला करने की पहले से पूरी तैयारी कर रखी थी। यहां तक कि उन्होंने मन्दिर में फंसे हिन्दू महिलाओं, बच्चों एवं निर्दोषों को निकालने के लिये गुरुग्राम से आने वाले पुलिसकर्मियों पर भी हमले किये। पुलिस थाने को भी जला दिया गया, ताकि पुलिसकर्मी रक्षा एवं बचाव कार्य न कर सके। उस समय मेवात मानो मिनी पाकिस्तान बन गया था। मेवात में अल्पसंख्यक हिन्दुओं का कब्रिस्तान बनाने का एक षडयंत्र एवं साजिश थी। मेवात के सभी सैकड़ों गांव हिन्दू-विहीन हो चुके हैं। मेवात के हालात आज के गाजा पट्टी जैसे ही बने हुए थे। भारत में ऐसे अनेक गाजापट्टी हैं, जहां इस्लामिक उन्माद चाहे जब फट सकता है। पूरे देश में इस्लामिक कट्टरता एवं जिहादी सोच के चलते मानवीय मूल्यों एवं साम्प्रदायिक सौहार्द का ह्रास हुआ है। हिंसा, आतंक, उन्माद पनपे हैं। इस्लामिक कट्टरता एवं उन्माद से जुड़ी समस्याओं ने नये सन्दर्भों में पंख फैलाये हैं। मानवीय संबंधों के बीच एकता, अखण्डता, सहयोगिता, सह-अस्तित्व, प्रेम, आपसी सौहार्द, करुणा, अहिंसा एवं उदारता की पहचान घटी है।

कहना गलत न होगा कि हमास द्वारा इजरायल के निर्दोषों का नरसंहार भारत के कथित धर्मनिरपेक्ष तत्वों को दिखाई नहीं दिया, वे तथा सत्ता विरोधी गठबंधन से जुड़े दल मुस्लिम वोटों की संकीर्ण राजनीति के चलते आतंकियों के विरुद्ध एक भी शब्द बोलने की हिम्मत नहीं जुटा सके, आतंक के विरोध में बोलना उनकी मुस्लिम तुष्टिकरण नीति के खिलाफ जो ठहरा। विश्व भर में मानवाधिकारों की बात करने वाले भी आतंकी हमलों का विरोध न करके चुप्पी साथ गए। यही नहीं, आतंकियों के समर्थन में भारत भर में सत्ता के विरोध का वातावरण बनाया गया। अब मानवीय दृष्टिकोण से जब गाजा के सामान्य निर्दोष नागरिकों के लिए भारत ने राहत सामग्री भेजी है, तब हमास के समर्थन में जुलूस निकालने और तकरीर करने वाले तत्वों ने भारतीय सत्ता की तनिक भी सराहना नहीं की। भारत ने विश्वस्तर पर पीड़ित मानवता की सहायता करने में कभी कसर बाकी नहीं छोड़ी, फिर भी खास धर्म के अनुयायियों द्वारा भारत का विरोध करना यही सिद्ध करता है कि भले ही सबका साथ सबका विकास की नीति का अनुपालन करते हुए सत्ता भेदभाव न करती हो, फिर भी कुछ तत्व ऐसे हैं जिनके लिए धर्म के नाम पर आतंकियों का समर्थन सर्वोपरि है, राष्ट्र दोयम दर्जे पर ही है। यह चिंताजनक स्थिति है, जिस पर गंभीरता से चिंतन किया जाना नितांत आवश्यक है।

जब आतंकवादियों पर कार्रवाई होगी, तो मानवाधिकारों का मामला बन जाएगा, और जब आतंकवादी निरीह नागरिकों की हत्याएं-बलात्कार और बाकी जघन्यता करेंगे, तो वही रूदाली गिरोह या तो दूसरी ओर देखने लगेगा, या महीन ढंग से काते गये शब्दों से उसके लिए ढाल पेश करने की कोशिश करेगा। यह ढाल शाब्दिक होती है, आभासी होती है। भौतिक ढाल वे मनुष्य होते हैं, जो उनके नियंत्रण में होते हैं। लगता है ऐसे में फिलिस्तीनियों को सावधान रहना होगा, क्योंकि मानवाधिकारवादी रूदाली के तीसरे चरण के लिए फिर मानवों की कुर्बानी की आवश्यकता पड़ सकती है। जाहिर है, यह कुर्बानी के मानव वे फिलिस्तीनी ही हो सकते हैं, जो या तो आतंकवादियों के हथियारों के वश में हैं या आतंकवादियों के दिखाए सपनों के वश में हैं। भारत में भी अक्सर ऐसा होता रहा है। सभ्यता संचार माध्यमों का निर्माण करती है, ताकि लोगों तक सूचनाएं पहुंचाई जा सकें, पाशविकता उनका इस्तेमाल झूठ, नफरत, द्वेष एवं उन्माद फैलाने के लिए करती हैं, ताकि लोगों को निशाना बनाया जा सके। सभ्यता मानवीयता को पालती-पोसती है, पाशविकता उन मनुष्यों को मानव दीवार में इस्तेमाल करती है। जिनमें कट्टरता है, उन्माद है, जिन्होंने हाथों में बम एवं हथियार उठा लिये हैं, वह शांति एवं अमन का कोई तर्क नहीं सुनेगा एवं समझेगा। वे यह भी समझने को तैयार नहीं होंगे कि निर्दोष मृतकों की सूची लम्बी करने के परिणाम में घृणा की विरासत बनती है। उन्माद, जिहादी घृणा, नफरत, द्वेष और खून की विरासत कभी किसी को कुछ नहीं देती, किसी का भला नहीं करती।

लोगों को रुला रहा प्याज 70 रुपए किलो पहुंचे भाव

टमाटर भी होने लगा लाल, अन्य सब्जियां भी महंगी

इंदौर। *त्योहार शुरू होते ही प्याज भी रुलाने लगा है। प्याज की कीमत खुदरा बाजार में 70 रुपए किलो तक पहुंच गई है। इसके साथ ही टमाटर भी फिर से लाल होना शुरू कर रहा है। टमाटर भी 40 से 50 रुपए किलो तक पहुंच गया है। बिना किसी मौसमी कारण के बड़ी इन कीमतों से लोग बोलने लगे हैं कि पहले दाल पकाना महंगा पड़ रहा था तो अब प्याज भी रुलाने से बाज नहीं आ रहा है।*

उपभोक्ताओं का कहना है कि ऐसा क्या कारण हो गया की रातों-रात प्याज की कीमत में 10 रुपए किलो से भी ज्यादा उछाल गया। ऐसे में महंगाई भी आसमान छू रही है। पहले दालें महंगी हुई और अब प्याज के भाव भी बढ़ गए हैं। सब्जियां भी कम आवक होने से महंगी बिक रही हैं। प्याज के भाव थोक बाजार में 4500 से 5000 रुपए क्विंटल तक पहुंच गए हैं। खुले बाजार में यह 70 रुपए किलो बिक रहा है।

टमाटर भी फिर होगा लाल : इसी प्रकार, टमाटर भी एक बार फिर लाल होने लगा है। कभी 10 रुपए किलो बिकने वाला टमाटर इन दिनों 30 से 50 रुपए मैथी 100 रुपए किलो, बैंगन, भिंडा, करेला भी 50-60 रुपए किलो बिक रही है। हरी मिर्च थोक मंडी में 40 से 50 रुपए किलो बिक रही है तो खुले बाजार में 60 रुपए से 80 रुपए किलो बिक रही है। यही हाल हरी धनिया के भी हैं। थोक सब्जी मंडी के कारोबारियों के मुताबिक, मालवा-निमाड़ से माल की आपूर्ति रुक गई है, जबकि महाराष्ट्र की तरफ से भी आवक घट गई है। इस वजह से प्याज के दामों में उछाल देखा जा रहा है और आने वाले समय में इसमें और बढोतरी होगी। इसी प्रकार बदलते मौसम में टमाटर की आवक भी बहुत कम हो गई है और दूसरी सब्जियों के भी यही हाल हैं।इस कारण त्योहारी सीजन में लोगों को प्याज के साथ ही अन्य सब्जियां भी रुलाएंगी।

प्याज की महंगाई पर लगाम लगाने की कोशिश सरकार थोक मार्केट में उतारेगी बफर स्टाक

त्यौहारी और चुनावी मौसम में प्याज की बढ़ती महंगाई सरकार के लिए भी चिंता का सबब बन रही है। खरीफ का नया प्याज आने के बाद प्याज के दामों में नरमी की उम्मीद है। हालांकि अब तक फसल आने में देरी की आशंका है। ऐसे में दीवाली के मौके पर महंगा प्याज उपभोक्ताओं को तो परेशान कर ही सकता है खेरची महंगाई दर को भी ऊपर ले जाएगा। लिहाजा सरकार ने अब प्याज की सरकारी बिक्री से ऊंचे हो रहे दामों में नरमी लाने का उपाय खोजा है। सरकारी गोदाम में अब तक करीब 7 लाख टन प्याज का बफर स्टाक मौजूद है। केंद्र की ओर से इस स्टाक की बढ़ी मात्रा धीरे-धीरे देश के थोक बाजारों में बिक्री की जाएगी। इसमें दीवाली के आसपास तेजी आएगी। हालांकि इसकी शुरुआत कर दी गई है। करीब 1.7 लाख टन प्याज 16 राज्यों के बाजार में उतारा जा रहा है। इसमें दिल्ली-पंजाब, उत्तर प्रदेश, कर्नाटक जैसे राज्य शामिल है लेकिन मध्य प्रदेश शामिल नहीं है। अगले चरण में दीवाली के पहले बड़ी खेप थोक बाजारों में उतारी जाएगी। ऐसे में दीवाली के आसपास प्याज के दामों में नरमी आने की उम्मीद है। नवंबर अंत- में खरीफ का प्याज आ जाने लगेगा। ऐसे में खुद ब खुद प्याज के दाम नरम पड़ने की उम्मीद है। एक महीने के लिए सरकार ने अपनी रणनीति तैयार कर ली है। सरकारी कदमों को देखते हुए अब थोक बाजार भी प्याज में बहुत ज्यादा उछाल की उम्मीद नहीं कर रहा है। माना जा रहा है एक सप्ताह तक तेजी जारी रहने के बाद दामों में फिर से नरमी का रूख आएगा।

मौसम ठंडा होने के साथ ही घट रही बिजली की भी खपत

इंदौर। बिजली की खपत अब धीरे-धीरे कम होने लगी है। इन दिनों हर दिन 1 करोड़ यूनिट बिजली शहर में खर्च हो रही है, जबकि कम्पनी क्षेत्र के 15 जिलों में साढ़े 9 करोड़ यूनिट बिजली लग रही है। एक सप्ताह पहले शहर में 1 करोड़ 7 लाख यूनिट बिजली की खपत हो रही थी। अक्टूबर माह कई वर्षों बाद गर्मी से भरा रहा और बारिश बाद घर और दफ्तरों में एसी, कूलर फिर चलने लगे थे। अगले 5-7 दिनों में 90 लाख यूनिट के आसपास खपत हो जाएगी। पश्चिम क्षेत्र बिजली वितरण कंपनी के अंतर्गत इंदौर सहित उज्जैन, देवास, धार, खंडवा, खरगोन, आलीराजपुर, बड़वानी, बुरहानपुर, नीमच, मंदसौर, रतलाम जिले में कुल खपत 9.5 करोड़ यूनिट तक अब हो रही है वहीं इंदौर शहर की बात करें तो यहां 1 करोड़ यूनिट बिजली हर दिन लग रही है। एक सप्ताह पहले 1 करोड़ 7 लाख यूनिट बिजली की खपत शहर में हो रही थी। बिजली अधिकारियों के मुताबिक इंदौर शहर प्रदेश की व्यापारिक राजधानी है और यहां करीब सवा 7 लाख उपभोक्ता हैं। सरकार को सबसे अधिक राजस्व भी इंदौर की बिजली कम्पनी ही देती है। जैसे-जैसे ठंड बढ़ेगी वैसे-वैसे खपत कम होगी और एसी, कूलर के साथ पंखे जैसे उपकरण बंद हो जाएंगे। उपभोक्ताओं पर इस दौरान आर्थिक बोझ भी कम रहेगा। फरवरी के बाद खपत फिर बढ़ेगी और मार्च-अप्रैल में उपभोक्ताओं को अधिक राशि के बिल जमा करना होंगे। बिजली कम्पनी द्वारा पिछले दिनों चोरी और अनियमितता में जो प्रकरण बनाए गए थे उन्हें लेकर राष्ट्रीय लोक अदालत में उपभोक्ताओं को राहत दी जाती है।

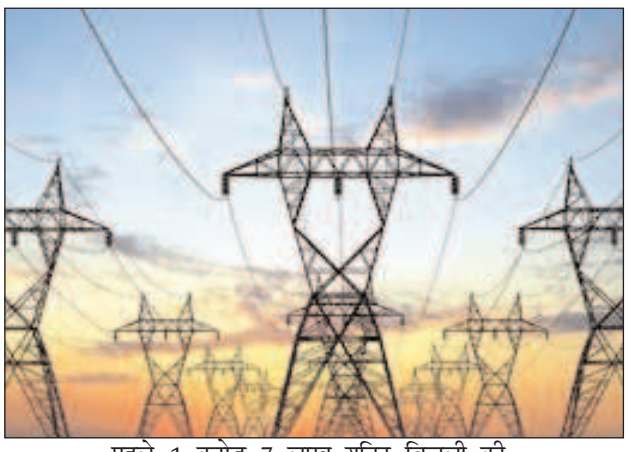

मगर आचार संहिता के चलते फिलहाल यह राहत नहीं रहेगी। दिसम्बर में लोक अदालत की तारीख आ सकती है। पिछले महीनों में लगी लोक अदालत में करीब 10 हजार प्रकरण निपटे थे। कम्पनी को इन प्रकरणों से 8 करोड़ रुपए का राजस्व मिला था। अभी मतदान केन्द्रों में बिजली व्यवस्था सुदृढ़ करने के लिए अधिकारी -कर्मचारी लगे हैं।

सत्यनारायण पटेल ने कहा 25 हजार वोट से जीतूंगा

इंदौर। विधानसभा क्षेत्र क्र. 5 के कांग्रेस प्रत्याशी सत्यनारायण पटेल ने भी कल अपना नामांकन कांग्रेस नेताओं अमन बजाज, जगदीश जोशी, अशोक भागवत और अपनी भांजी अलका पटेल को साथ लेकर दाखिल किया और कहा कि पिछले पांच सालों में विधानसभा 5 में उन्होंने सेवाकार्य किया है उसी आधार पर बार 25 हजार वोटों से जीतूंगा। जब उनसे भाजपा के नानूराम कुमावत की बगावत के बारे में पूछा तो उन्होंने कहा भाजपा में क्या हो रहा है मुझे कोई मतलब नहीं मुझे केवल जनता के आशीर्वाद से चुनाव चुनाव जीतना है और विधानसभा में पहुंचकर इस विधानसभा 20 साल से रुके हुए कार्यो को पूरा कर इस बड़ी विधानसभा में बड़े विकास कार्य कराना है।

महू में उषा ठाकुर के विरोध में उतरे भाजपा कार्यकर्ता

महू/इंदौर (नप्र)। गुरुवार रात को स्थानीय भाजपा कार्यकर्ताओं ने गोशाला में दशहरा मिलन समारोह आयोजित किया। लेकिन कार्यक्रम तो था दशहरा मिलन का मगर मकसद था उषा ठाकुर का प्रबल विरोध। इसमें महू की गोशाला परिसर में हजारों भाजपा कार्यकर्ता इकट्ठा हुए।

मंच से नेताओं ने उषा ठाकुर के कार्यकाल को पूरी तरह बोगस बताते हुए भाजपा हाईकमान से तत्काल टिकट बदलने की मांग करते हुए स्थानीय प्रत्याशी को टिकट देने की मांग की। इस सभा को संबोधित किया राधेश्याम यादव, अशोक सोमानी, शेखर बुंदेला, रामकरण भामर और कुछ आदिवासी सरपंचों ने पूरे समय उषा ठाकुर के कार्यकाल में कार्यकर्ताओं और आम जनता के साथ किए गए भेदभाव, प्रताड़ना आदि का जिक्र किया गया। बीच-बीच में भी लोगों ने टिप्पणी करके ठाकुर के खिलाफ आक्रोश व्यक्त किया। महू में भाजपा के खिलाफ ये पहला अवसर है, जब खिलाफत का बिगुल जोरदार तरीके से हुआ है। नेताओं ने भाषणों की आड़ में 30 अक्टूबर से पहले टिकट बदलने का अल्टीमेटम भी दे डाला।

बता दें कि पहली बार भाजपा के इस सम्मेलन में हजारों की संख्या में कार्यकर्ता नजर आए। इधर 2 दिन में अगर टिकट नहीं बदल गया तो स्थानी कार्यकर्ता निर्दलीय उम्मीदवार उतारने की भी बात कह रहे हैं। बात करें कांग्रेस की तो भाजपा छोड़ कांग्रेस में गए राम किशोर शुक्ला को कांग्रेस से उम्मीदवार घोषित किया गया है। 27 तारीख को कांग्रेस के पूर्व विधायक अंतर सिंह दरबार भी अपना अपना नामांकन निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में भरने तहसील कार्यालय जाएगे।

इस बार मध्यप्रदेश में तीन दीवाली मनाएंगे-अमित शाह

जिले के 6 भाजपा विधानसभा प्रत्याशी पहुंचे आमसभा में

छिंदवाड़ा। जुन्नारदेव के नेहरू स्टेडियम में शनिवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने विशाल आमसभा को संबोधित किया। उन्होंने छिंदवाड़ा जिले में पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ पर भी निशाना साधा। केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने अपने उद्बोधन में कहा कि इस बार मध्यप्रदेश में तीन दीवाली मनाई जाएगी। पहली दीवाली दीपावली के दिन होगी, दूसरी दीपावली भाजपा सरकार बनने पर मनाई जाएगी और तीसरी दीवाली अयोध्या में रामलला की स्थापना पर होगी। उन्होंने कहा कि राहुल बाबा केंद्र में भाजपा की सरकार बनने के बाद कहते थे कि मंदिर वही बनाएंगे लेकिन तिथि नहीं बताएंगे लेकिन केंद्र की मोदी सरकार ने अब राम मंदिर बना दी है और अब मंदिर में स्थापना की तिथि 22 जनवरी बता भी दी है। राहुल गांधी दर्शन करने अयोध्या आ सकते हैं। इसके अलावा केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने मोदी सरकार की उपलब्धियां गिनाई। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार बनने के बाद राम मंदिर निर्माण, सर्जिकल स्ट्राइक, धारा 370 हटना, चंद्रयान, तीन तलाक, महिलाओं को एक तिहाई आरक्षण मिला है।

मोनिका बट्टी को छोड़कर सभी प्रत्याशी पहुंचे सभा में

केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने जुन्नारदेव के नेहरू स्टेडियम में विशाल आमसभा को संबोधित करते

हुए मध्यप्रदेश में एक बार फिर भाजपा सरकार बनाने की बात कही। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में डबल इंजन की सरकार बनेगी तो जनता को इसका सीधा फायदा होगा। केंद्रीय मंत्री अमित शाह की इस आमसभा में छिंदवाड़ा भाजपा प्रत्याशी विवेक बंटी साहू, परासिया से ज्योति डेहरिया, चौरई से लखन वर्मा, सौंसर से नानाभाऊ मोहोड़, पांढुर्णा से प्रकाश उइके, जुन्नारदेव से नत्थनशाह उइके पहुंचे थे जबकि अमरवाड़ा से भाजपा प्रत्याशी मोनिका बट्टी कार्यक्रम में नहीं पहुंची।

अब भाजपा के हुए सीताराम, सैकड़ों कार्यकर्ता के साथ शमिल

हर्रई में पिछले कुछ दिनों कांग्रेस में गुटबाजी सामने आ रही थी यहां पर कांग्रेस प्रत्याशी कुंवर कमलेश शाह की टिकिट बदलने की मांग को लेकर पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष और कांग्रेस के कार्यवाहक जिला अध्यक्ष सीताराम डेहरिया, आदिवासी प्रकोष्ठ के कार्यवाहक अध्यक्ष विनय भारती मोर्चा खोले हुए थे। शनिवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की आमसभा में उन्होंने सैकड़ों कार्यकर्ताओं के साथ कांग्रेस छोड़कर भाजपा की सदस्यता ले ली। इस अवसर पर मंच में केंद्रीय मंत्री प्रहलाद पटेल, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा, भाजपा कार्यवाहक अध्यक्ष प्रियवर सिंह ठाकुर, पूर्व मंत्री चौधरी चंद्रभान सिंह, शेषराव यादव सहित अन्य भाजपा नेता भी मौजूद रहे। आदिवासियों को साधने का चल रहा प्रयास छिंदवाड़ा जिला आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र है यहां पर आदिवासी मतदाताओं को लुभाने के लिए भाजपा और कांग्रेस दोनों राजनैतिक दल लगे हुए हैं। आदिवासी अंचल जुन्नारदेव में केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने लगभग 45 मिनट भाषण दिया जिसमें लगभग 20 मिनट आदिवासी समाज को साधने का प्रयास किया गया जबकि 20 मिनट केंद्र की मोदी सरकार और मध्यप्रदेश की शिवराज सरकार की उपलब्धि बताई गई। केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने कहा कि देश की आजादी में मध्यप्रदेश के आदिवासियों का बड़ा योगदान रहा। राजा शंकर शाह, बादलभोई, रानी दुर्गावती सभी ने देश को आजाद कराने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की। उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज का सबसे ज्यादा विकास भाजपा सरकार में हुआ है। पहले कांग्रेस ने 70 साल में ट्राइबल कल्याण में सिर्फ 29 हजार खर्च किए जबकि मोदी सरकार ने अब तक एक लाख 29 करोड़ रुपए खर्च किए है। इसी प्रकार कांग्रेस ने सरकार में 90 एकलव्य विद्यालय थे जिनकी संख्या बढ़कर अब 740 हो गई है।

कांग्रेस पीएम-सीएम की शिकायत लेकर चुनाव आयोग पहुंची

भोपाल,। प्रदेश कांग्रेस के उपाध्यक्ष अशोक सिंह, मप्र शासन के पूर्व अतिरिक्त महाधिवक्ता अजय गुप्ता, प्रदेश कांग्रेस मीडिया विभाग के अध्यक्ष के.के. मिश्रा एवं वरिष्ठ अभिभाषक रविकांत पाटीदार सहित कांग्रेस नेताओं तथा अभिभाषकों ने आज चुनाव आयोग कार्यालय पहुंचकर अतिरिक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी राजेश कुमार कौल से मुलाकात कर एक शिकायती पत्र सौंपकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान के विरूद्ध आचार संहिता के उल्लंघन की धारा-188 के तहत प्रकरण दर्ज किये जाने की मांग की है।

कांग्रेस नेताओं ने शिकायत में कहा कि प्रधानमंत्री शुक्रवार 27 अक्टूबर 2023 को चित्रकूट आये थे, उन्होंने केंद्र सरकार डाक तार विभाग द्वारा आयोजित एक सरकारी कार्यक्रम में एक डाक टिकिट का विमोचन किया, मंच पर उनके साथ मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान जो स्वयं बुधनी विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के भाजपा के अधिकृत प्रत्याशी हैं, उन्होंने भी मंच साझा किया। दोनों जी जिम्मेदार नेताओं ने सरकारी कार्यक्रम में राजनैतिक भाषण देकर चुनाव आयोग को खुली चुनौती देते हुए आचार संहिता की धज्जियां उड़ायी हैं।

चूंकि भाजपा एक देश और एक कानून की दुहाई देती है। लिहाजा, चुनाव आयोग भाजपा की ही इस मंशा के अनुरूप उनके विरूद्ध आचार संहिता के उल्लंघन का आपराधिक प्रकरण दर्ज करे। क्योंकि देश का कानून सभी के लिए एक समान है। तब लाजमी होगा कि आम और खास के बीच की दीवार को दरकिनार कर चुनाव आयोग अपना नजरिया स्पष्ट करते हुये सभी के लिए कानून एक है की भावना के अनुरूप प्रकरण दर्ज कर साबित करें कि भाजपा के कथानुसार एक देश और एक कानून के संदेश ईमानदारी से पालन हो सके।

फिर किन्नर उतर रहे चुनाव मैदान में, चंदा आप प्रत्याशी घोषित

भोपाल,। एक बार फिर विधानसभा चुनाव में किन्नर किस्मत आजमाने उतर रहे हैं। दरअसल छतरपुर जिले की बड़ा मलहरा विधनसभा सीट से आम आदमी पार्टी ने चंदा दीदी किन्नर को अपना अधिकृत प्रत्याशी घोषित किया है। इसके बाद से लगातार कयास लगाए जा रहे हैं कि भोपाल से भी किन्नर प्रत्याशी हो सकते हैं। चूंकि पूर्व में शबनम मौसी विधायक रह चुकी हैं इसलिए किसी किन्नर के चुनाव मैदान में उतरने को लेकर किसी को कोई हैरानी नहीं है।

मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव 2023 अब अपने शबाब में आ चुका है। अभ्यर्थियों की नामांकन प्रक्रिया भी शुरू हो चुकी है। ऐसे में खबर आ रही है कि छतरपुर जिले की बड़ा मलहरा सीट से आप ने चंदा दीदी किन्नर को अपना प्रत्याशी घोषित कर सभी को चौंका दिया है। इसके बाद से अटकलें लगाई जा रही हैं कि राजधानी भोपाल से भी किन्नर प्रत्याशी चुनाव मैदान में उतर सकते हैं। भोपाल के साथ-साथ अन्य सीटों से भी किन्नर के चुनाव लड़ने की बात राजनीतिक गलियारे में चल पड़ी है। गौरतलब है कि मध्य प्रदेश में विधानसभा सदस्य के तौर पर शबनम मौसी किन्नर अपना नाम दर्ज करा चुकी हैं। इसके बाद नगर पालिका और नगर निगम चुनाव में भी किन्नर समुदाय के लोगों ने किस्मत आजमाया और जीते भी हैं। इसे देखते हुए अब एक बार फिर विधानसभा चुनाव में किन्नर समुदाय के नागरिक जनता से समर्थन मांगने के लिए चुनाव मैदान में उतर रहे हैं। लोगों का कहना है कि पिछले विधानसभा चुनाव की ही तरह मध्य प्रदेश में इस बार भी अनेक सीटों पर किन्नर समुदाय के लोग नामांकन दाखिल कर सकते हैं। आम आदमी पार्टी ने बड़ा मलहरा से चंदा दीदी को अधिकृत प्रत्याशी घोषित कर संदेश दे दिया है कि यदि आवश्यकता पड़ी तो और भी प्रत्याशी इस समुदाय से लिए जा सकते हैं।

बसपा के मैदान में उतरने से चुनौतीपूर्ण हुआ मुकाबला

तोमर के लिए दिमनी अग्निपथ...

भोपाल,। मध्यप्रदेश में 17 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनाव का प्रचार चरम पर पहुंच रहा है। भाजपा-कांग्रेस दोनों ने अपने उम्मीदवार चुनावी मैदान में उतार दिए हैं। इन दिनों प्रदेश में यदि किसी सीट की सर्वाधिक चर्चा है, तो वो है दिमनी...! यहां भाजपा ने कद्दावर नेता केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर को चुनावी मैदान में उतारा है, तो कांग्रेस ने मौजूदा विधायक रविंद्र सिंह तोमर को मैदान में उतारा है। इस बीच बसपा से पूर्व विधायक बलबीर दंडोतिया के चुनाव मैदान में उतरने से मुकाबला चुनौतीपूर्ण हो रहा है।

सर्वाधिक चर्चित सीट दिमनी में 2013 से भाजपा ने जीत का मुंह नहीं देखा,

दिमनी विधानसभा क्षेत्र को लेकर जो जमीनी रिपोर्ट सामने आ रही है, उसके अनुसार केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर के लिए दिमनी विधानसभा सीट किसी अग्निपथ से कम नहीं है। क्योंकि तोमर पर इस सीट पर जीतने का जितना दबाव है, उससे कहीं ज्यादा उनं पर ग्वालियर-चंबल की दूसरी सीटों को भी जिताने का भी दबाव है। यहां पर तोमर के सामने कांग्रेस के उम्मीदवार रविंद्र सिंह तोमर ही अकेले चुनौती नहीं हैं, बल्कि बसपा के उम्मीदवार बलवीर सिंह दंडोतिया भी एक बड़ी चुनौती बनकर सामने आ रहे हैं। बलवीर इस सीट पर बसपा से विधायक रह चुके हैं।

जीत-हार का गणित

दिमनी सीट पर 2013 से भाजपा ने जीत का मुंह नहीं देखा है। .इस सीट पर 2013 में बसपा के बलवीर दंडोतिया विधायक बने थे। इसके बाद 2018 में कांग्रेस के गिर्राज दंडोतिया विधायक बने। लेकिन 2020 के उपचुनाव में गिर्राज दंडोतिया भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़े, तो वे कांग्रेस के रविंद्र सिंह तोमर से हार गए।

दिमनी का राजनीतिक समीकरण

दिमनी विधानसभा क्षेत्र में सवा दो लाख वोटर हैं। जिसमें सबसे अधिक संख्या तोमर मतदाताओं की है। यहां तोमर 60 हजार, अनुसूचित जाति (एससी) 48 हजार, ब्राह्मण 30 हजार और अन्य जातियों के 90 हजार वोटर हैं।

किसानों की दुर्दशा पर सुरजेवाला ने शिवराज सरकार को घेरा

भोपाल। *मध्य प्रदेश की शिवराज सरकार में सबसे ज्यादा घोटाले हुए हैं। भ्रष्टाचार के आलावा इस सरकार ने किसानों के साथ भी बड़े छलावे किये हैं। भाजपा सरकार के 18 साल को दमनकारी किसान विरोधी के रूप में प्रदेश के इतिहास में याद रखा जाएगा। यह बात मध्य प्रदेश कांग्रेस प्रभारी रणदीप सुरजेवाला ने शिवराज सरकार को घेरते हुए प्रेस वार्ता में कही है।*

दरअसल, शनिवार को राजधानी भोपाल के प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में सुरजेवाला ने प्रेस को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने भाजपा सरकार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि शिवराज सरकार ने किसान कल्याण विभाग की दुर्दशा कर दी है। इस विभाग को उन्होंने दुर्दशा विभाग बना दिया है। सुरजेवाला का कहना है कि 30 योजनाओं में से 19 योजनाओं में शिवराज सरकार ने किसान कल्याण योजना में एक भी पैसा नहीं दिया। सुरजेवाला ने आरोप लगाते हुए कहा कि किसान को लागत से कम एमएसपी मिलने पर वे तालियां बजाते हैं। प्रदेश की शिवराज सरकार फसलों को आधे दाम में खरीद रही है। उन्होंने कहा कि किसान परिवार की आय प्रतिदिन मात्र 277 रुपए रह गई है। इसके साथ ही सुरजेवाला ने प्रदेश सरकार पर जमकर हमला बोला।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने कहा-

कांग्रेसी पहले रामभक्त बने, अब उनकी बाबर भक्ति सामने आई

भोपाल। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बीडी शर्मा ने कहा कि सोनिया भक्त पहले चुनावी रामभक्त बने और अब यह बाबर भक्त बनकर सामने आए हैं। इनकी बाबर भक्ति साफ दिखाई दे रही है। उन्होंने कहा कि इस बार विधानसभा चुनाव में कांग्रेस का मूल चरित्र उजागर हो गया है। ये पहले राममंदिर के खिलाफ थे, अब हिंदुत्व और सनातन के खिलाफ जहर उगल रहे हैं।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने शनिवार को भाजपा मीडिया सेंटर में आयोजित प्रेस कान्फ्रेंस में कहा कि कांग्रेस को राममंदिर के होर्डिंग लगने पर आपत्ति हो रही है। वो चुनाव आयोग में जाकर राम मंदिर के होर्डिंग्स हटाने की मांग कर रही है। यह कांग्रेस का मूल चरित्र है। कांग्रेस ने राम मंदिर पर आक्रमण करने का काम किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के नेता कहते हैं कि राम मंदिर सबका है, तो फिर राम मंदिर के होर्डिंग लगने पर श्रीमान बंटाधार और करप्शन नाथ तकलीफ क्यों हो रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को असली पीड़ा है राम मंदिर निर्माण से। कांग्रेस का चरित्र मुंह में राम, बगल में बका है। इन्हें तो बाबर ही दिखाई देता है।

मोदी के मन की बात सुनेंगे 41 लाख कार्यकर्ता

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष शर्मा ने बताया कि 29 अक्टूबर को प्रदेश के सभी बूथों पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम को सुना जाएगा। इस दौरान प्रदेश 63 हजार बूथों पर 41 लाख भाजपा कार्यकर्ता, नेता और पदाधिकारी प्रधानमंत्री मोदी के मन की बात को सुनेंगे।

बस्तर से राहुल गांधी का वादा

कांग्रेस सरकार आई तो शिक्षा फ्री और तेंदूपत्ते पर 4 हजार का बोनस

रायपुर। राज्य में कांग्रेस की सरकार बनती है तो तेंदूपत्ते पर आदिवासियों को हर साल 4 हजार रुपये का बोनस दिया जाएगा। इसी के साथ ही सरकारी स्कूल में केजी से लेकर सरकारी कॉलेजों में दी जाने वाली शिक्षा मुफ्त कर दी जाएगी। कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी कोंडागांव जिले के फरसगांव में आयोजित चुनावी सभा को संबोधित कर रहे थे।

सभा को संबोधित कर रहे राहुल गांधी ने कहा, कि यदि छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकार बनती है तो सरकारी स्कूल और कॉलेज की शिक्षा मुफ्त कर दी जाएगी। फिर चाहे वह मेडिकल कॉलेज हो, इंजीनियरिंग, एग्रीक्लचर कॉलेज हों। पढ़ाई के लिए एक रुपया भी आपको खर्च नहीं करना पड़ेगा। यहां राहुल ने मोदी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि एक सरकार ऐसी होती है जो गरीबों, किसानों, मजदूरों, छोटे व्यापारियों, बेरोजगारों की मदद करने में अपनी पूरी शक्ति लगा देती है और दूसरी सरकार चुने हुए अरबपतियों, अडानी जैसे लोगों की मदद करने में कोई कोर-कसर बाकी नहीं रखती है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आते हैं, बड़े-बड़े वादे करते हैं और चले जाते हैं। हर खाते में 15-15 लाख डालने की बात कही थी, कई वादे किए पर एक वादा भी उन्होंने पूरा नहीं किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस जो कहती है उसे करके दिखाती है। राहुल गांधी ने आगे कहा कि पिछले चुनाव में 2500 रुपए प्रति क्विंटल धान खरीदने का वादा किया था, जिसे आपकी सरकार ने पूरा किया है। आज धान की कीमत 2640 रुपए प्रति क्विंटल है। उन्होंने कहा कि कुछ ही समय में यह 3000 रुपए प्रति क्विंटल तक हो जाएगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार ने किसानों की कर्जमाफी का वादा भी निभाया। मोदी सरकार ने तो 14 लाख अरब रुपए उद्योगपतियों का कर्जा माफ किया और हमने किसानों का कर्ज माफ किया। राहुल ने कहा कि बस्तर के जल, जंगल और जमीन पर आदिवासी का हक है। इसलिए हमने पेशा कानून लाया।

बॉलीवुड करवाचौथ स्पेशल फिल्मों में करवाचौथ सेलिब्रेशन

हर त्यौहार का अपना खास महत्व है। ये त्यौहार भारतीय परंपरा से ही नहीं, सिनेमाई संस्कृति से भी जुड़े हुए हैं। कहने का मतलब यह है कि बॉलीवुड ने इन त्यौहारों को और भी खास बना दिया है। ऐसा ही एक त्यौहार है करवा चौथ। पिछले कुछ सालों में बॉलीवुड की कई फिल्मों में करवाचौथ को बहुत ही रोमांटिक तरीके से फिल्माया गया है। इन फिल्मों के सीन और गानों का इतना असर है कि पहले के मुकाबले अब ज्यादा महिलाएं करवाचौथ का व्रत रखने लगी हैं। उन्हें लगता है कि अपने पति से प्यार के इजहार का ये सबसे खूबसूरत तरीका है। करवाचौथ को फिल्मों में बहुत ही खूबसूरती से दर्शाया गया है।

दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे

यशराज प्रोडक्शन्स की दिलवाले दुल्हनिया

में करवाचौथ को बहुत खास जगह दी गई है। काजोल का शाहरूख के लिए व्रत रखना और छत पर दोनों को एक-दूसरे को खाना खिलाने वाले दृश्य ने बहुत से जोड़ों को व्रत रखने के लिए प्रोत्साहित किया। यह शाहरूख का ही जादू है कि आज भी बहुत से पति अपनी पत्नियों का साथ देने के लिए करवाचौथ का व्रत रखते हैं। प्यार जब दोनों को है, तो भला दूसरा इजहार से पीछे कैसे रहे।

कभी खुशी कभी गम

करण जौहर की फिल्म कभी खुशी कभी गम में करवा चौथ के पारंपरिक रीति-रिवाजों को भी बहुत ही खूबसूरती से दिखाया गया। सास का अपनी बहू को सरगी देना और करवा चौथ की पार्टी की धूम इस फिल्म में देखने को मिलती है। भारत ही नहीं दूसरे देशों में रहने वाले भारतीय भी करवाचौथ जैसे त्यौहार को बढ़-चढ़ कर सेलिब्रेट करते हैं। काजोल और शाहरूख की रोमांटिक जोड़ी के साथ करीना और ऋतिक की स्पेशल केमिस्ट्री बोले चूड़ियां गाने में देखने को मिली।

बागबान

अमिताभ बच्चन और हेमा मालिनी की जोड़ी को दर्शक शुरू से ही पसंद करते रहे हैं। यही वजह है कि डायरेक्टर-प्रोड्यूसर्स भी इन्हें साथ लाने की पूरी कोशिश करते हैं। फिल्म बागबान में एक बार फिर बिग बी और ड्रीम गर्ल का वही करिश्माई जादू देखने को मिला। रिटायरमेंट के बाद अपने पार्टनर के साथ समय बिताने का ख्वाब देखने वाले पति-पत्नी को बच्चे अपनी जरूरतों के मुताबिक अलग कर देते हैं। एक-दूसरे को दिलों जान से चाहने वाले पति-पत्नी जब इस उम्र में बिछड़ते हैं, तो उनकी तड़प कैसी होती है, इसे बेहद खूबसूरती से दर्शाया गया है। अपने पार्टनर की भावनाओं का ख्याल रखना ही तो करवा चौथ का असली मतलब है। इस फिल्म का गाना 'मैं यहां तू वहां जिंदगी है कहां' देखकर आज भी लोगों की आंखों में आंसू आ जाते हैं।

हम दिल दे चुके सनम

डायरेक्टर संजय लीला भंसाली को त्यौहारों से कितना प्यार है यह उनकी फिल्मों में खूब झलकता है। इस फिल्म में भी उन्होंने करवाचौथ के पहले और बाद की रस्मों को दिखाया है। इस फिल्म का गाना 'चांद छुपा बादल में' आज भी करवाचौथ के सेलिब्रेशन में जरूर बजता है। सलमान खान और ऐश्वर्या राय की रोमांटिक केमिस्ट्री ने इस गाने में यकीनन जान डाल दी है।

इश्क-विश्क

एक वक्त था जब अमृता राव और शाहिद कपूर की खूबसूरत केमिस्ट्री ने युवाओं को अपना दीवाना बनाया। इश्क विश्क कॉलेज स्टूडेंट्स में बहुत ज्यादा लोकप्रिय हुई थी। फिल्म में शाहिद और अमृता का करवा चौथ सीन भी काफी मजेदार है। अमृता का पूरी शिद्दत से व्रत रखना शाहिद के दिल को छू जाता है। दोनों स्टार्स की मासूम प्रेम कहानी उनके फैंस को खुश कर देती है। दोस्ती के रिश्ते का प्यार में बदल जाने का एहसास फिल्म में दिखाया गया है, जो आज भी यंगस्टर्स की फेवरेट है। 21वीं सदी की लड़कियों को भी अपने रीति-रिवाजों से कितना लगाव है, यह अमृता को देखकर समझा जा सकता है। इस फिल्म का करवा चौथ सीन आप भी कभी भूल नहीं पाएंगे।

कभी इंटीमेट सीन से अदिति ने बटोरी थी चर्चा

बॉलीवुड में कई ऐसे स्टार्स हैं जो इंडस्ट्री में फेमस होने के साथ फैमिली बैकग्राउंड भी काफी अच्छी है। वैसे ही एक्ट्रेस अदिति राव हैदरी का किस्सा भी कुछ ऐसा ही है। अदिति बॉलीवुड में रियल राजकुमारी की लिस्ट में शामिल होती हैं। 'दिल्ली 6' से हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखने वाली एक्ट्रेस अपनी फिल्मी करियर में कम फिल्मों में अदाकारी पेश की हैं लेकिन अपनी हर भूमिका से एक अलग पहचान बनाई हैं। साथ ही इस बात की जानकारी बहुत काम लोगों को होगी कि अदिति सिर्फ एक्टिंग ही नहीं बल्कि सिंगिंग, क्लासिकल डांसिंग और मार्शल आर्ट में भी एक्सपर्ट हैं। इसके साथ एक्ट्रेस अपना 37 वां बर्थडे सेलिब्रेट कर रही हैं और उनके इस खास मौके पर लाइफ के कुछ अनसुने किस्सों को जानेंगे जो उनके फैंस को शायद ही पता हो।

ऑडिसन टाइम दिए इंटीमेट सीन

अदिति बॉलीवुड फिल्मों में डेब्यू करने से 6 साल पहले मलयालम फिल्म 'प्रजापति से फिल्मी करियर की शुरुआत की थी। उसके बाद उन्होंने बॉलीवुड की कई फिल्मों में अपनी एक्टिंग पेश की। इसी बीच उन्होंने ओटीटी प्लेटफार्म पर एक इंटरव्यू के दौरान अपनी लाइफ से जुड़ी एक कहानी के बारे में बताया था कि 'अपने एक ऑडिसन के दौरान इंटीमेंट सीन दिए थे'। एक्ट्रेस ने इस खुद इस बात का खुलासा करते हुए कहा था, 'फिल्म 'ये साली जिंदगी' के ऑडिसन के टाइम उन्हें इंटीमेट सीन के लिए कहा गया था। उन्होंने बताया कि उस वक्त मुझे एक एक्टर के साथ संबंध बनाने के लिए कहा गया था जिसे मैं जानती तक नहीं थी। उन्होंने बताया कि वो एक्टर कोई और नहीं बल्कि अरुणोदय सिंह थे।

रॉयल फॅमिली से आती हैं

अदिति राव के फैमिली बैकग्राउंड की बात करें तो वो एक रॉयल फॅमिली से आती हैं। हैदराबाद के शाही परिवार में जन्मी अदिति अकबर हैदरी की परपोती हैं और असम के पूर्व गर्वनर मोहम्मद सालेह अकबर हैदरी की पोती हैं।

साड़ी के इन डिजाइंस से आप भी 40 की उम्र में दिखेंगी जवां और मॉडर्न

साड़ी का चलन एवरग्रीन फैशन ट्रेंड में रहता है। हालांकि इसे स्टाइल करने के कई तरीके होते हैं, लेकिन एक उम्र के बाद हम अपने स्टाइल स्टेटमेंट के हिसाब से ही लुक को चुनते हैं। खासकर 40 की उम्र के बाद किस तरीके के कपड़े हम पर सूट करेंगे और कैसे इन्हें स्टाइल करना चाहिए?

आइये जानते हैं इसके बारे में-

टैसल डिजाइन साड़ी

टैसल वाली साड़ी आजकल काफी पसंद की जा रही है। इस खूबसूरत साड़ी को डिजाइनर पुनीत बलाना द्वारा डिजाइन किया गया है। इस तरीके की चंदेरी और ऑर्गेंजा साड़ी आपको मार्केट में आसानी से मिल जाएगी।

टिश्यू साड़ी डिजाइन

एक बार फिर टिश्यू साड़ी का चलन मार्केट में नजर आने लगा है। इस तरह की खूबसूरत बॉर्डर वर्क साड़ी आपको मार्केट में आसानी से मिल जाएगी। इसके साथ आप ब्लाउज के लिए शिमर वाला फैब्रिक ही खरीदें।

सेक्विन डिजाइन साड़ी

ग्लैमरस नाइट पार्टी लुक के लिए सेक्विन डिजाइन साड़ी एक अच्छा विकल्प है। इसी तरह के डिजाइन बाजार में आसानी से उपलब्ध हैं। सूक्ष्म चमक और जटिल विवरण इसे विशेष अवसरों के लिए एक आदर्श विकल्प बनाते हैं, जो पहनने वाले की सुंदरता और आकर्षण को बढ़ाते हैं।

प्लेन बॉर्डर वर्क साड़ी

यदि आप अपनी पोशाक में सादगी पसंद करती हैं, तो सादे बॉर्डर वर्क वाली साड़ी आपकी अलमारी के लिए एक उत्कृष्ट अतिरिक्त है। इन साड़ियों में नाजुक बॉर्डर डिजाइन हैं, जो आपके लुक में परिष्कृतता का स्पर्श जोड़ते हैं।

पतिदेव को करना है खुश तो करवा चौथ के श्रृंगार में जरूर शामिल करें ये चीजें

हर साल सुहागिन महिलाएं करवा चौथ के व्रत का इंतजार करती हैं। करवा चौथ के दिन महिलाएं अपने पति की लंबी उम्र के लिए व्रत रखती हैं। पूरे दिन निर्जला व्रत रखने के बाद महिलाएं रात में चंद्र को अर्घ्य देती हैं। इसके बाद ही कुछ खाती हैं। अगर बात करें इस साल की तो इस साल करवा चौथ का व्रत 1 नवंबर 2023 को रखा जाएगा।

इस त्योहार में महिलाएं खूब अच्छे से साज-श्रृंगार करती हैं। महिलाओं ने इसकी तैयारी भी

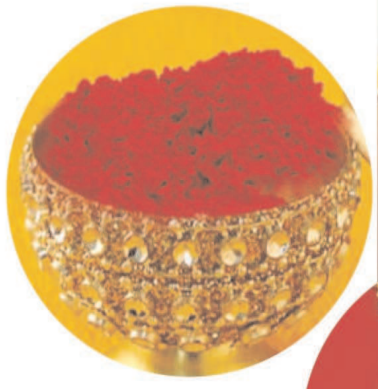

पूरी कर ली है। इस दिन सुहागिन महिलाओं के लिए 16 श्रृंगार करने की भी परंपरा है। अगर इस करवा चौथ आप भी कुछ खास तरह से तैयार होना चाहती हैं, तो कुछ चीजों को अपने श्रृंगार में जरूर शामिल करें।

लाल साड़ी

अगर ये आपका पहला करवा चौथ है तो पहले तो अपनी शादी के लहंगे को ही पूजा के समय पहनें। अगर आप लहंगा नहीं पहनना चाहतीं तो लाल रंग की साड़ी को ही प्राथमिकता दें। ये देखने में काफी प्यारी लगती है।

लाल और हरी चूड़ी

करवा चौथ का दिन महिलाओं के लिए बेहद खास होता है। ऐसे में लाल साड़ी के साथ आप हरे रंग की चूड़ियां पहन सकती हैं। ये आपके लुक को और ज्यादा खूबसूरत बनाने में मदद करेंगी। अगर आप हरी चूड़ी नहीं पहनना चाहतीं तो लाल रंग के चूड़ा को पहनकर अपना लुक पूरा करें।

मांगटीका

अपने श्रृंगार को पूरा करने के लिए मांगटीका जरूर पहनें। ये सुहागिनों के लिए काफी अहम होता है।

मांग में सिंदूर

सिंदूर को सुहागिन महिलाओं की निशानी माना जाता है। ऐसे में तैयार होते वक्त सिंदूर लगाना ना भूलें। आपके करवा चौथ लुक को सिंदूर ही पूरा कर सकता है।

इसके बिना आपका श्रृंगार अधूरा है।

गजरा

अगर आप करवा चौथ पर पारंपरिक रूप से तैयार होना चाहती हैं तो बालों में गजरा जरूर लगाएं। ये देखने में काफी प्यारा लगता है।

माथे पर बिंदी

16 श्रृंगार को पूरा करने के लिए बिंदी बेहद जरूरी होती है। ऐसे में साड़ी या सूट पहनते वक्त भी माथे पर बिंदी जरूर लगाएं।

स्टाइलिश से ज्यादा जूतों का कंफर्टेबल होना है जरूरी

शूज खरीदने जब हम जाते हैं, तो शोरूम में लगे रंग-बिरंगे, अलग-अलग स्टाइल वाले जूतों पर सबसे पहले नजर जाती है, जिन्हें हम जरूरत न होने के बावजूद खरीद तो लेते हैं, लेकिन कई बार उन्हें बिना पहने ही कुछ महीनों बाद रिजेक्ट कर देते हैं। दूसरी वजह जो इन्हें रिजेक्ट करने की होती है वो है कंफर्टेबल न होना। पहनने पर पैर कटना, दर्द होना जैसी परेशानियों का सामना करना पड़ता है, तो फिर मन मारकर इन्हें छोड़ना ही पड़ता है, तो अगर आप चाहते हैं ऐसा फुटवेयर लेना, जिसे पहनकर आप पूरी तरह से कंफर्टेबल रह सकें, तो इसके लिए इसे खरीदते वक्त कुछ बातों का ध्यान रखना बहुत जरूरी है। आइए जान लेते हैं इस बारे में।

किस जगह पहना है

खरीदने से पहले ये डिसाइड कर लें कि आप किस पर्पज से ले रहे हैं, मतलब आपको ट्रैवलिंग के लिए लेना है, ऑफिस के लिए, पार्टी के लिए या फिर नॉर्मल आउटिंग या जॉगिंग के लिए। ये क्लीयर रहेगा, तो जूते खरीदने में आसानी रहेगी।

मैटेरियल पर ध्यान दें

ज्यादातर लोग जूते खरीदते वक्त लुक और कीमत को देखते हैं, लेकिन पहनने के बाद पता चलता है कि वो बिल्कुल भी कंफर्टेबल नहीं है। कई बार तो इनकी वजह से चोट भी लग जाती है। इसकी एक वजह जूते का मैटेरियल हो सकता है। स्पीड के लिए बने जूते आपको कंफर्ट और सपोर्ट नहीं देंगे। इसलिए खरीदते वक्त आपका फोकस मैटेरियल, कंफर्ट और सपोर्ट पर होना चाहिए, न कि स्टाइल और प्राइस पर।

ब्रांडेड जूते ही खरीदें

आजकल कपड़ों से लेकर मेकअप प्रोडक्ट्स, हेयर हर एक चीज़ की कॉपी बाजार में मौजूद है, जिनमें फुटवेयर्स भी शामिल हैं। स्टाइलिश दिखने वाले शूज जब कम कीमत पर हमें नजर आते हैं, तो लगता है ले लो, लेकिन बाद में ये हफ्ते भर भी हमारे शरीर का बोझ नहीं उठा पाते। कभी सोल निकल जाता है, तो कभी सिलाई खुलने लगती है। इसलिए जूते खरीदते वक्त हमेशा ब्रांड देखें। जो कंफर्ट देने के साथ ही सालों साल आपका साथ भी निभाते हैं।

नामांकन रैली में कमलनाथ ने शिवराज पर निशाना साधते हुए कहा

5 महीने में इनकी घोषणा और भ्रष्टाचार मशीन की स्पीड डबल हो गई

इंदौर। मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस प्रत्याशियों की नामांकन रैली में पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ शामिल हुए। पंजाब से आए अमरिंदरसिंह राजा बरार, पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश पचौरी, शोभा ओझा और इंदौर-3 से पूर्व विधायक अश्विन जोशी समेत तमाम प्रत्याशी साथ रहे।

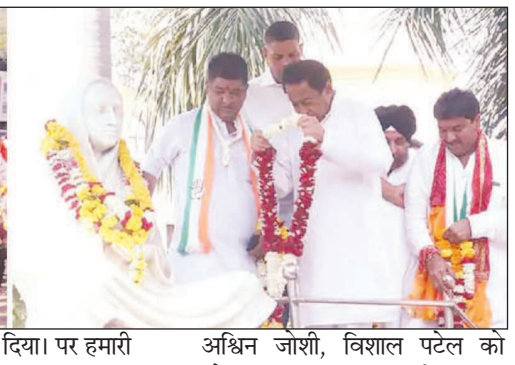

मोतीतबेला पर सभा को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश में ऐसा कोई व्यक्ति नहीं है जो भ्रष्टाचार का शिकार नहीं है। यदि नहीं हुआ तो वह भ्रष्टाचार का गवाह जरूर है। हालत यह है कि रुपए दो, काम लो। 50 एकड़ जमीन है और रुपए दोगे तो गरीबी रेखा में शामिल हो जाओगे। शिवराजसिंह चौहान 10-10 घोषणाएं करते हैं। मैं कहता हूं एक-एक लाख पदों को भरने की घोषणाएं मत करिए, केवल जो खाली पड़े पद हैं, उनको ही भर दिए। शिवराजसिंह को ठगराज बताते हुए कहा कि पांच महीने में घोषणा और भ्रष्टाचार की मशीन की स्पीड डबल हो गई।

उन्होंने दोहराते हुए कहा कि ये मप्र के भविष्य का चुनाव है। जिस तरह प्रदेश को ठगा है, 18 साल में सबकुछ चौपट कर दिया। ये इन्वेस्टमेंट समिट में 33 लाख करोड़ के इन्वेस्टमेंट का दावा किया था। लेकिन कुछ नहीं आया। मैंने मुख्यमंत्री रहते प्रदेश की नई छवि और पहचान बनाने की कोशिश की। मैंने यहां उद्योगपतियों का सम्मेलन किया। सबने यहां निवेश का आश्वासन दिया। पर हमारी सरकार ही चली गई।

एयरपोर्ट पर बागियों को मनाने की कोशिशः इससे पहले, कमलनाथ ने इंदौर एयरपोर्ट पर बागी नेताओं से मुलाकात की। यहां से वे राजबाड़ा पहुंचे और माता अहिल्या देवी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर कलेक्ट्रेट के लिए रैली के रूप में रवाना हो गए। मोती तबेला पर कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए पंजाब कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अमरेंदर सिंह राजा बरार ने कहा कि कमलनाथ ने सरदारों पर अत्याचार नहीं किए।

अश्विन जोशी, विशाल पटेल को तवज्जोः मंच पर कमलनाथ ने अश्विन जोशी और विशाल पटेल को तवज्जो दी। इंदौर के सभी 9 प्रत्याशियों के नाम लेते समय अश्विन जोशी दिखाई नहीं दिए तो उन्होंने जोशी को मंच पर बुलाया। उन्होंने सभी प्रत्याशियों के नाम लेकर आखिरी में कहा कि अश्विन जोशी कहां है। मैं उनका नाम विशेष रूप से ले रहा हूँ। इसके बाद कमलनाथ ने मंच पर अश्विन जोशी को अपने पास बुलाकर खड़ा किया। वहीं विशाल पटेल को युवा प्रत्याशी और दूसरी बार विधायक बनने का हवाला देकर अपने साथ खड़ा किया। दूसरी ओर माइक पर बोलने की इच्छा जता चुके जीतू पटवारी के बोलने से पहले ही कमलनाथ ने माइक ले लिया।

एयरपोर्ट पर बागियों को साधा, जोशी भी साथ आएः पूर्व सीएम कमलनाथ ने एयरपोर्ट पर कांग्रेस के बागियों को मनाने में जुटे हैं। एयरपोर्ट के लाउंज में वे कांग्रेस के महत्वपूर्ण कार्यकर्ताओं के साथ बैठक ले रहे हैं। इसमें वे बागियों को मनाने की कोशिश करेंगे। ताकि चुनाव के दौरान किसी तरह का डैमेज न हो। इससे पहले नाराज बताए जा रहे इंदौर-3 के पूर्व विधायक अश्विन को भी मना लिया गया है।

रैली में कांग्रेस के साथ भगवा झंडे भी दिखेः कमलनाथ की रैली में कांग्रेस के साथ भगवा झंडे भी दिखाई दिए। इसे देख वहां से गुजर रहे लोगों को आश्चर्य हुआ। लेकिन झंडों पर कांग्रेस का नाम देखकर लोगों को कांग्रेस की रैली पर यकीन हुआ।

विजयवर्गीय ने टाइम खत्म होने से 9 मिनट पहले भरा फॉर्म

इंदौर। इंदौर-1 से बीजेपी उम्मीदवार कैलाश विजयवर्गीय अपना नामांकन दाखिल किया। विजयवर्गीय ने दोपहर 2.51 बजे फॉर्म जमा किया। विजयवर्गीय ने अपने से पहले इंदौर-2 के प्रत्याशी रमेश मेंदोला का फॉर्म जमा कराया। टाइम दोपहर 3 बजे तक रहता है, ऐसे में वे नौ मिनट पहले पहुंच गए और मुहूर्त के टाइम पर फॉर्म भर दिया।

इससे पहले पहले सुबह 9.30 बजे उन्होंने खजराना गणेश मंदिर के दर्शन किए और गाय को गुड़-चने खिलाए। दर्शन के बाद वे बड़ा गणपति पहुंचे। यह से राजवाड़ा होते हुए कलेक्ट्रेट तक रैली के रूप में पहुंचे। उनके साथ इंदौर-2 से प्रत्याशी रमेश मेंदोला ने भी नामांकन जमा किया। रैली से राजवाड़ा से कलेक्ट्रेट तक जा रहे विजयवर्गीय मेंदोला समय पर पहुंचने के लिए रैली वाहन से उतरकर दूसरे वाहन से कलेक्ट्रेट पहुंचे। ताकि दोपहर 3 बजे के पहले ही नामांकन जमा किया जा सके। वे समय खत्म होने के 30 मिनट पहले कलेक्ट्रट पहुंच चुके थे।

नामांकन जमा करने से पहले इंदौर-2 के भाजपा प्रत्याशी मेंदोला ने कहा कि यह चुनाव हम विकास के नाम पर लड़ेंगे। हमने यहां खूब विकास किया है। हम जनता से अनुरोध करेंगे कि सनातन के विरोधियों को सबक सिखाए। कांग्रेस अभी दूर-दूर तक दिखाई नहीं दे रही है। कैलाश विजयवर्गीय इंदौर-1 से ऐतिहासिक मतों से जीतेंगे। लोगों ने भाजपा की सरकार और विकास को देखा है। बता दें कैलाश विजयवर्गीय के चुनाव लड़ने की वजह से इंदौर-1 सीट प्रदेश की हाई प्रोफाइल सीटों में शामिल है। उनके चुनाव कार्यालय का उद्घाटन करने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह आए थे। विजयवर्गीय के सामने कांग्रेस प्रत्याशी विधायक संजय शुक्ला हैं। शुक्ला पहले ही अपना नामांकन जमा कर चुके हैं। वहीं रमेश मेंदोला के सामने कांग्रेस ने इस बार नेताप्रतिपक्ष चिंटू चौकसे को मैदान में उतारा है। वे भी नामांकन भर चुके हैं।

कैलाश विजयवर्गीय की संपत्ति10 साल में सात गुना बढ़ीः इंदौर-1 के भाजपा प्रत्याशी और राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय ने सोमवार को दोपहर 2.51 बजे के मुहूर्त में नामांकन दाखिल कर दिया। जब वे रिटर्निंग अफसर के हॉल में पहुंचे तब केवल फॉर्म भरने के लिए केवल 9 मिनट बचे थे। विजयवर्गीय ने फॉर्म के साथ जमा किए शपथ पत्र में अपनी संपत्ति का ब्योरा दिया है। इसमें अपने और पत्नी के पास 14 करोड़ रुपए की कुल प्रॉपर्टी बताई है। 2013 से उनकी संपत्ति सात गुना बढ़ गई है। पश्चिम बंगाल में 2018 से 2020 के बीच दर्ज हुए पांच आपराधिक प्रकरण बताए हैं। शपथ पत्र में पश्चिम बंगाल में उनके खिलाफ दर्ज 5 प्रकरणों के अलावा विजयवर्गीय ने एक नोट भी जोड़ा है। पश्चिम बंगाल में जिन 5 प्रकरणों के दर्ज होने की जानकारी दी है, वे सभी 2018 से 2020 के बीच के हैं। इनमें से 3 केस धार्मिक भावनाएं भड़काने के हैं।

पत्नी के नाम से 10 करोड़ रु. का प्लाटः विजयवर्गीय ने पत्नी आशा के नाम से 10 करोड़ रु. का प्लाट होना बताया है। यह पांच साल पहले 1.33 करोड़ रु. में खरीदा गया था। इस हिसाब से प्लॉट का रेट 6 हजार रु. वर्गफीट है।

स्मार्ट सिटी के एमओजी लाइन क्षेत्र में धीमा काम

इंदौर। स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के लिए चयनित एमओजी लाइन में किए जा रहे काम की रफ्तार अत्यंत धीमी है। अभी तक यहां सरकारी क्वार्टर ही पूरी तरह तोड़े नहीं गए हैं। स्मार्ट सिटी के अधिकारी अतिक्रमण हटाने के लिए कई बार नगर निगम को पत्र भी लिख चुके हैं। अगर इसी रफ्तार से कार्य चलता रहा तो स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के इस हिस्से के कार्य को वर्षों बरस गुजर जाएंगे। विधानसभा चुनाव के बाद सरकार बदलने पर हो सकता है प्रोजेक्ट भी और धीमी गति से संचालित होने लगे।

जानकारी अनुसार एमओजी लाइन के 55 एकड़ में महू नाका से गंगवाल बस स्टैंड तक का काम होना था। यह क्षेत्र चिन्हित करने के बाद महूनाका के समीप एमओजी लाइन पर भी काम होना है। बताया जाता है कि बेहद धीमी गति से काम स्मार्ट सिटी कंपनी के ठेकेदार द्वारा किया जा रहा है उससे भी परेशानी बनी हुई है। यहां पर क्वार्टर तोड़ने आदि का काम जैसे तैसे समाप्त हुआ है। यहां पर बड़े भूखंड एक और जहां स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के अंतर्गत बेचे जाएंगे और निजी ठेकेदार से लेकर बिल्डर व कंपनी को भी नीलामी के तहत बेचने की योजना बनाई गई है। इधर स्मार्ट सिटी के तहत महू नाका से लेकर आसपास जो काम होना था वह बेहद धीमी गति से हैं और काम कब पूरे होंगे यह भी नहीं कहा जा सकता है। यही कारण है कि लगातार परेशानियां चल रही है। फिलहाल इस बारे में कुछ नहीं कहा जा सकता है, लेकिन स्मार्ट सिटी कंपनी द्वारा दूसरे प्रोजेक्ट में काफी देरी भी की जा रही है।

8 वर्षों से चल रहा है कार्यः एक ओर जहां राजबाड़ा आदि क्षेत्र में भी काम आज भी पूरा नहीं है जबकि करीब आठ वर्षों से उस उक्त प्रोजेक्ट पर काम चल रहा है। ये काम कब पूरा होगा, इस बारे में कोई कुछ नहीं कह सकता है। यह भी कहा जा रहा है कि अगले 3 वर्ष में उक्त प्रोजेक्ट को पूरा किया जाएगा परंतु स्मार्ट सिटी कंपनी के रवैया को देखते हुए ऐसा नहीं लगता है। खासकर अति व्यस्ततम क्षेत्र में शामिल महू नाका में काम कब पूरा होगा। यह नहीं कहा जा सकता है परंतु अभी तक काम की शुरुआत भी नहीं हुई है, यह जरूर कहा जा रहा है। स्मार्ट सिटी कंपनी द्वारा किया जा रहा है कई प्रोजेक्ट किस समय सुनना भी निकल चुकी है लेकिन अभी तक काम पूरा नहीं हो पा रहा है।

पंढरीनाथ थाना एएसआई 10 हजार की रिश्वत लेते गिरफ्तार

इंदौर। इंदौर के पंढरीनाथ थाने में पदस्थ एक एएसआई को लोकायुक्त की टीम ने 10 हजार की रिश्वत लेते पकड़ा है। इस मामले में एक बिचौलिए को भी हिरासत में लिया है जिसे पुलिसकर्मी साथ लेकर पहुंचा। इस मामले में लोकायुक्त पुलिस ने भ्रष्टाचार अधिनियम के तहत कार्रवाई की है। डीएसपी प्रवीण बघेल की टीम ने सोमवार को छत्रीपुरा थाना इलाके के वाइन शॉप के पास से एएसआई जितेन्द्र काकटे, उसके साथी रत्नेश पुरी को पकड़ा। जितेन्द्र पंढरीनाथ थाने में पदस्थ है। उसने पल्हर नगर में रहने वाले एक व्यक्ति से 10 हजार रुपए रिश्वत की मांग की थी। इसकी शिकायत पीड़ित ने लोकायुक्त में की थी। जानकारी के मुताबिक दंपती को लेकर आपस में विवाद चल रहा था। पत्नी ने पंढरीनाथ थाने में पति की शिकायत की थी। मामले की जांच एएसआई जितेन्द्र के पास पहुंची। उसने मोबाइल पर पीड़ित को धमकाना शुरू कर दिया और रुपए की मांग करने लगा। लोकायुक्त पुलिस ने स्ढ्ढ जितेन्द्र को ट्रैप करना शुरू किया। उसने कहा कि उनके ञ्जढ्ढ कॉल भैरव हैं और मैं उनका गण हूं। भेंट चढ़ाना पड़ेगी। इसकी रिकार्डिंग लोकायुक्त पुलिस के अफसरों ने सुनी तो दंग रह गए।

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी जयश्री जैन द्वारा अपनी दुनिया प्रिंटर्स 13, प्रेस कॉम्प्लेक्स ए.बी. रोड इंदौर से मुद्रित एवं 22, प्रेस काम्पलेक्स, प्रेस हाऊस, ए.बी. रोड इंदौर 452008 से प्रकाशित। प्रधान संपादक- डॉ. राजेश जैन, मो. 9425322301 (डाक पंजीयन MP/IDC/1462/2016-2019)